

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम.ए.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.वी.एस.-005 : छन्दस् एवं कल्प

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए। प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी भी एक भाषा में दीजिए।

खण्ड—क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3×20=60

1. कल्पशास्त्र क्या है ? विस्तार से वर्णन कीजिए।
2. छन्दसूत्र के द्वितीय अध्याय की विषय-वस्तु का विस्तृत वर्णन कीजिए।

[2]

3. यज्ञ के स्वरूप एवं संस्थाओं का विस्तृत वर्णन कीजिए।
4. स्थालीपाक का विस्तृत वर्णन कीजिए।
5. उपनयन संस्कार का विस्तार से उल्लेख कीजिए।
6. संस्कारों के वैज्ञानिक पक्ष का विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : अधोलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

4×10=40

1. छन्दसूत्र के प्रथम अध्याय का सारांश लिखिए।
2. किन्हीं दो उदाहरणों से छन्दसूत्र के चौथे अध्याय के वर्ण्य-विषय का उल्लेख कीजिए।
3. सोमयाग संस्था का उल्लेख कीजिए।
4. अग्निहोत्र का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
5. विवाह संस्कार का वर्णन कीजिए।
6. ब्रह्मचर्य आश्रम के कर्तव्यों का वर्णन कीजिए।
7. गृहस्थाश्रम पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।

× × × × ×